Date 01/05/2020

Sub- Psychology
B.A Part I (Hons)
Paper- Ist
Chapter- Motivation.
Topic - Intrinsic Motivation & Extrinsic Motivation
By. Nishikant Jaiswal (Assistant Professor)
Dr-L.K.V.D College Tajpur, Samastipur.
Lecture series No- 18

(A) आन्तरिक अभिप्रेरण (Intrinsic Motivation) - आन्तरिक अभिप्रेरण से मोटे तौर पर तात्पर्य स्वतः अभिरुचि (Spontaneous interest) से होता है। जब कोई व्यक्ति किसी कार्य को इसलिए करता है क्योंकि उसमें उसकी अभिरुचि है तथा उस कार्य को करने से उसे खुशी मिलती है तो ऐसा कहा जाता है कि व्यक्ति में आन्तरिक अभिप्रेरण है। इन क्रियाओं में व्यक्ति किसी बाह्य पुरस्कार के लिए अपेक्षा नहीं रखता है, बल्कि ये क्रियाएँ स्वतः पुरस्कार एवं संतुष्टि देनेवाली होती है। रेबर (Reber 1982) के अनुसार "आन्तरिक अभिप्रेरक प्रायः कार्य पूरा करने तथा संतोष की भाव (feeling) से न कि बाह्य पुरस्कार से उत्पन्न होता है। इस परिभाषा से स्पष्ट है कि आन्तरिक अभिप्रेरण व्यक्ति के भीतर होता है और यह किसी कार्य के करने में उत्पन्न संतोष, खुशी आदि से उत्पन्न होता है। मनोवैज्ञानिकों ने कई ऐसे प्रयोग किये हैं जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि जब व्यक्ति में किसी कार्य को करने का आन्तरिक

Scanned with CamScanner

Date __/__/____ Saathi

अभिप्रेरण होता है परन्तु अब उसी कार्य को करने के लिए उसे कुछ वाह्य अभिप्रेरण भी दिया जाने लगता है तो वैसी स्थिति में व्यक्ति में मौजूद आन्तरिक अभिप्रेरण के स्तर में कमी आ जाती है। कारण यह है कि ऐसी स्थिति में उस क्रिया के प्रति उसका दृष्टिकोण बदल जाता है। अब वह समझने लगता है कि वह कुछ वाह्य पुरस्कार को प्राप्त करने के लिए यह क्रिया कर रहा है, न कि आनन्द या मनोरंजन के लिए। लेकिन कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि हमेशा ऐसा नहीं होता है।

वाह्य प्रेरणा (Extrinsic Motivation) वाह्य प्रेरणा का अर्थ वह प्रेरणा है जिसका सम्बन्ध किसी बाहरी कारक जैसे पुरस्कार या दण्ड से है। रेवर तथा रेवर (2001) के शब्दों में "वाह्य प्रेरणा का तात्पर्य उस प्रेरणा से है जो व्यक्ति से बाहर पायी जाने वाले कारकों से उत्पन्न होती है। दिन प्रतिदिन की अधिकतर परिस्थितियाँ इस प्रकार की होती हैं जहाँ सिर्फ आन्तरिक अभिप्रेरण से काम नहीं चलता है तथा व्यक्ति को वाह्य अभिप्रेरण देना ही पड़ता है।

अतः निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि व्यक्ति के निष्पादन को सबल तथा उत्तम बनाने के लिए आन्तरिक तथा वाह्य अभिप्रेरणों का उपयोग किया जाना अधिक उपयोगी तथा लाभप्रद है। यही कारण है कि आजकल अधिकतर फैक्टरी में कर्मचारियों को अधिक अभिप्रेरित करने के लिए आन्तरिक एवं वाह्य अभिप्रेरक दोनों ही दिये जाते हैं।

Page No. ____

Scanned with CamScanner